हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 5 अप्रैल 2026

13 सरकारी स्कूल ने नामांकन रैली निकाल जगाई शिक्षा की अलख

14 15 दिन पहले बनी इंटरलोक गली की उखाड़ी ईंटें, लगाया आरोप

खबर संक्षेप

साइबर धोखाधड़ी मामले में पांचवां आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। साइबर धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लवकेश पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी सैनी मोहल्ला, बरवाला के रूप में हुई है। उसके कब्जे से तीन हजार की नगदी बरामद हुई है। इससे पहले इसी मामले में चार आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है।

अवैध हथियार सप्लाई के मामले में युवक दबोचा

फतेहाबाद। सीआईए टोहाना टीम ने अवैध हथियार बरामदगी के मामले में मुख्य सप्लायर सिकंदर निवासी भाटिया नगर टोहाना को काबू किया है। इससे पूर्व इसी प्रकरण में एक अन्य आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा गश्त एवं अपराध जांच के दौरान गांव दमकोरा क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक को काबू किया गया था। आरोपी की पहचान रणजीत सिंह उर्फ जीता निवासी अंबेडकर चौक टोहाना के रूप में हुई।

मोबाइल एप के जरिए की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान गौरव कुमार पुत्र पवन कुमार निवासी काठमंडी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान भुना चौक क्षेत्र में मौजूद थी।

नहर के पक्के खाल को क्षतिग्रस्त करने पर दो काबू

फतेहाबाद। नहर के पक्के खाल को क्षतिग्रस्त करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भट्टू कलां पुलिस ने दो युवकों काबू किया है। काबू किए गए आरोपियों की पहचान कुलदीप तथा रामकरण के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि इस संबंध में महिला द्वारा शिकायत दी गई थी कि आरोपियों ने मोगा नंबर 9900 राइट न्यूडिंग माइनर के पक्के खाल को मुरब्बा नंबर 108 के किला नंबर 4-5 में गिरा दिया।

6 को लघु सचिवालय के बाहर धरना देंगे राधेश्याम

फतेहाबाद। जिले के प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता लाने और कथित भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर आरटीआई कार्यकर्ता ने आंदोलन की रणनीति तैयार की है। आरटीआई कार्यकर्ता राधेश्याम सोनी के नेतृत्व में सोमवार, 6 अप्रैल को लघु सचिवालय के बाहर एक सांकेतिक धरना दिया जाएगा। राधेश्याम का कहना है कि यह आयोजन सरकारी व्यवस्था में सुधार और आम जन के कार्यों को बिना किसी बाधा के पूरा करवाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसो. की बैठक 7 को

फतेहाबाद। ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक 7 अप्रैल मंगलवार को सुबह 9:30 बजे जाट धर्मशाला के पास स्थित पुराना रेस्ट हाऊस, फतेहाबाद में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे। यह जानकारी देते हुए एसोसिएशन के महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने बताया कि बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग का लाभ देने सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की जाएगी और सरकार से मांग की जाएगी कि नियमित और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एलटीसी सुविधा को पुनः शुरू किया जाए।

20 फीसदी नमी के चलते जिले में अभी शुरू नहीं हुई फसल खरीद

24 किसान गेहूं लेकर मंडी पहुंचे 1,487 क्विंटल गेहूं की आवक

फसल को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव और बारिश की आशंका के चलते फतेहाबाद की अनाज मंडी में गेहूं की सरकारी खरीद अभी शुरू नहीं हो सकी है। हालांकि मंडियों में गेहूं की आवक शुरू हो चुकी है और किसान अपनी फसल लेकर पहुंच रहे हैं। लेकिन मौसम की अनिश्चितता के चलते खरीद व्यवस्था अभी पूरी तरह पटरी पर नहीं आ पाई है। शनिवार तक फतेहाबाद में 24 किसानों के गेट पास काटे गए हैं। इन किसानों की 1487 क्विंटल फसल मंडी में बिक्री के इंतजार में है। गेहूं में अभी 20 फीसदी नमी के कारण खरीद एजेंसियां अभी गेहूं खरीदने में रूचि नहीं ले रही। इस बारे अनाज मंडी में किसानों की बायोमीट्रिक प्रक्रिया, ट्रैक्टर की फोटो अपलोड करने और गेटपास काटने की प्रक्रिया के चलते गेहूं खरीद में देरी होना लाजमी है। इसके चलते किसानों और आढ़तियों को इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में मंडी प्रशासन और व्यापार मंडल ने किसानों व आढ़तियों को फसल को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी है। व्यापार मंडल अनाज मंडी फतेहाबाद के प्रधान जगदीश भादू ने आढ़तियों को जारी सूचना में कहा कि मौसम विभाग द्वारा आने वाले कई दिनों तक मौसम खराब रहने और बारिश की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए सभी आढ़तियों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी दुकानों पर फसलों को शेड के नीचे रखें और तिरपाल आदि का उचित प्रबंध अवश्य रखें, ताकि अचानक होने वाली बारिश से अनाज को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस समय मंडी में बड़ी संख्या में किसान गेहूं की फसल लेकर पहुंच रहे हैं। यदि बारिश हो जाती है तो खुले में पड़ी फसल खराब हो सकती है, जिससे किसानों और आढ़तियों दोनों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए सभी आढ़ती अपने-अपने जमींदारों को भी यह संदेश दें कि वे मंडी में फसल लाते समय उसे अच्छी तरह से ढककर ही लेकर आएं।

फतेहाबाद। अनाज मंडी में आई गेहूं।

आढ़तियों ने कहा : कहां से लाएं इतने तिरपाल ?

अनाज मंडी में बारिश की आशंका के बीच फसल को ढककर रखने की सलाह को लेकर आढ़तियों में भी चर्चा शुरू हो गई है। कई आढ़तियों का कहना है कि मंडी में बड़ी मात्रा में गेहूं की आवक होने वाली है और इतनी बड़ी मात्रा की फसल को ढकने के लिए तिरपाल का इंतजाम करना आसान नहीं है। आढ़तियों का कहना है कि मंडी में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में आता है। ऐसे में हर दुकान पर इतनी बड़ी मात्रा में तिरपाल रखना संभव नहीं होता। कुछ आढ़तियों ने सवाल उठाया कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में तिरपाल कहां से लाएं और उसका खर्च कौन वहन करेगा।

व्यापार मंडल ने 7 को बुलाई बैठक

आगामी रबी सीजन को लेकर व्यापार मंडल की ओर से आढ़तियों की एक जनरल मीटिंग भी बुलाई गई है। यह बैठक 7 अप्रैल को शाम 4 बजे राम सेवा समिति धर्मशाला, अनाज मंडी फतेहाबाद में आयोजित होगी। बैठक में मंडी में गेहूं की खरीद व्यवस्था, किसानों की सुविधाओं, गेटपास व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

फसल बेचने का प्रावधान

किसान अनाज मण्डी के गेट पर पहुंचेगा तो सबसे पहले उसके ट्रैक्टर का फोटो किया जाएगा। उसके बाद मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर दर्ज पंजीकरण संख्या को किसान द्वारा मार्किट कमेटी कर्मचारियों को बताना होगा। इसके बाद किसान को गेट पास जारी किया जाएगा। किसान यह गेट पास लेकर अनाज मण्डी में अपनी फसल ले जाएगा और इसे अपने आढ़ती के पास अनलोड करेगा। फिर जब खरीद एजेंसी के कर्मचारी गेहूं की ढेरी पर बोली लगाएंगे तो बोली से पहले किसान को बॉयोमेट्रिक करवानी होगी, इसके लिए किसान का अगूंठा लगवाया जाएगा।

आज भी मौसम के करवट लेने की संभावना

प्रदेश में 5 अप्रैल तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 5 अप्रैल तक राज्य में आंशिक बादलवाई तथा बीच बीच में हवाएं चलने के आसार है। हवाओं व गरजचमक के साथ राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान कुछ एक स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना बन रही है। हवाओं में बदलाव आने से दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव न होने व रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है।

बीज भंडार में लगी आग लाखों रुपये का नुकसान

चोपटा। नाथूसरी चौपटा में पेस्टीसाइड एंड बीज भंडार में आग लगने करीब 20 लाख रुपये का नुकसान हो गया। आग का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान संचालक गणदेव ने बताया कि शनिवार को दुकान में पहुंचा तो देखा तो कीटनाशक दवाइयां, बीज व अन्य सामान जलकर राख हुआ मिला। शुक्रवार देर शाम को वह दुकान बंद कर घर चला गया। रात को बिजली के शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई और उसे लाखों रुपये का नुकसान हो गया। दुकान में बिजली के उपकरण भी आग के भेंट चढ़ गए। गणदेव ने बताया कि शायद आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। पीड़ित गणदेव ने बताया कि उसकी रोजी-रोटी दुकान से चलती थी। उसने जिला प्रशासन से मांग की है कि उसे मुआवजा व बीमा क्लेम दिलाया जाए।

साइबर ठग राजस्थान से गिरफ्तार

सिरसा। साइबर थाना पुलिस ने जिले के गांव भुर्टवाला निवासी एक व्यक्ति से 53 हजार 700 रुपये ठगी करने के मामले में राजस्थान के नागौर क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी श्याम सुंदर ने बताया कि आरोपी की पहचान राजस्थान के नागौर जिला निवासी छोटूराम के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गांव भुर्टवाला निवासी रणबीर सिंह ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाया कि उसके मोबाइल पर एक लिंक आया आया जैसे ही उसने लिंक पर क्लिक किया तो एक ऐप डाउनलोड हो गया। कुछ समय बाद उसके बैंक खात से 53 हजार 700 रुपये कट गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। साइबर थाना पुलिस ने सुराग जुटाकर आरोपी को राजस्थान के नागौर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज गया है।

टोहाना में नहर में शव मिलने से हड़कंप

पैरों को मोड़बर बोरी में डाला गया था, जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में शनिवार को उस समय हडकंप मच गया जब लोगों ने बलिया वाला हेड के पास फतेहाबाद ब्रांच नहर से एक अज्ञात व्यक्ति का शव को देखा। यह शव एक बोरी में बंद था। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही नवजोत सिंह ढिल्लों और उनकी टीम मौके पर पहुंची और पुलिस को जानकारी दी। बाद में पुलिस की मौजूदगी में नवजोत सिंह ढिल्लों की टीम ने शव को नहर से बाहर निकाला गया। मृतक के हाथ पर फूल का निशान पाया गया।

फतेहाबाद। नहर से शव को निकालते नवजोत ढिल्लो व उनकी टीम।

जानकारी के अनुसार, मृतक के पैरों को मोड़कर बोरी में बंद किया गया था। बोरी को गठड़ी बनाकर नहर में फेंका गया था। देखने से शव एक से दो दिन पुराना लग रहा है।

पहचान के लिए अपील

घटना की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस और एसएचओ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बाद में डीएसपी भी शवगृह पहुंचकर शव का निरीक्षण करने पहुंचे और मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान के लिए शव को 72 घंटे के लिए मॉच्युरी में रखवा दिया गया है। आसपास के सभी थानों और गोताखोरों को भी सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक की पहचान या उसके बारे में कोई जानकारी है, तो वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे।

गांवों में भी गैस सिलेंडर के लिए लगी लाइनें

- एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई को लेकर संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

शहरों के साथ-साथ अब गांवों में भी एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई को लेकर भारी संकट देखने को मिल रहा है। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि बुकिंग करने के बाद डिलीवरी का मैसेज आने पर भी उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे। गांवों में हर रोज ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं, जहां गैस की गाड़ी पहुंचते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। कई जगहों पर स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि लोगों ने गाड़ी को घेर लिया, मानो कोई लूटपाट की घटना हो रही हो। इस दौरान धक्का-मुक्की और विवाद की स्थिति भी बन जाती है, जिसके चलते कई बार पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा है। गांव ब्राह्मणवाला के लोगों का आरोप है कि गैस एजेंसियों की लापरवाही और सप्लाई में कमी के चलते उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है।

रतिया। गांव में सिलैंडर लेने के लिए उमड़ भीड़। फोटो : हरिभूमि

कार्रवाई की मांग

ब्लैक मार्केटिंग की आशंका जताते हुए ग्रामीणों ने कहा कि घरेलू सिलेंडर अन्य जगहों पर खपाए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि समय पर सिलेंडर न मिलने पर मजबूरी में उन्हें महंगे दामों पर गैस लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि एक तरफ सरकार दावे कर रही है कि सिलेंडर की आपूर्ति से ही चल रही है, और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है लेकिन दूसरी ओर गांवों में अभी भी सिलेंडर की सप्लाई सही दी जा रही है। लोगों ने प्रशासन से तुरंत इस समस्या का समाधान करने और कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

पानी के टैंकरों की खराब हालत पर जताई नाराजगी

दोषियों पर हो कार्रवाई : सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

सांसद कुमारी सैलजा ने अपने कोटे से गांव डूल्ट में दिए गए पानी के टैंकर की दयनीय हालत देखकर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने पंचायती राज विभाग के माध्यम से दिए गए इन टैंकरों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। शनिवार को टोहाना के गांव डूल्ट में एक शादी समारोह में पहुंची सांसद सैलजा ने टैंकरों को देखकर नाराजगी जताई। इसके बाद सांसद सैलजा ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट में आरोप लगाया कि टैंकरों में पुराने टायरों का इस्तेमाल किया गया, जो जल्द ही फट गए। एक महीने के भीतर ही उनमें जंग लगने लगी, जिससे पानी का रिसाव हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना के टैंकरों का वितरण किया गया और निर्धारित रंग की जगह अलग रंग का प्रयोग किया, जो कम समय में ही उड़ गया। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह स्थिति सीधे तौर पर लापरवाही और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता के हितों के साथ समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। र अनियमितताएं बरतने वालों की जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

फतेहाबाद। टैंकर का निरीक्षण करते हुए सांसद कुमारी सैलजा। फोटो : हरिभूमि

1 लाख 70 हजार रुपये की लागत से खरीदा था

इस मामले में पंचायत राज विभाग के कार्यकारी अभियंता देवेंद्र सिंह ने बताया कि यह टैंकर करीब तीन माह पूर्व 1 लाख 70 हजार रुपये की लागत से खरीदा गया था। उन्होंने कहा कि यदि टायर पहले से खराब भेजे गए थे, तो उन्हें बदलवा दिया जाएगा, लेकिन यदि टायर अब फटे हैं, तो उन्हें बदलने का कोई प्रावधान नहीं है।

सड़क हादसे में डीडीपीओ के चालक की मौत, पुलिस ने की इत्तफाकिया कार्रवाई

- भूना रोड पर हुआ हादसा, शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

भूना रोड पर शुक्रवार को हुए सडक़ हादसे में सिरसा के डीडीपीओ की सरकारी गाड़ी के चालक हरबंस सिंह की मौत के मामले में शनिवार को भूना पुलिस द्वारा इत्तफाकिया कार्रवाई की गई है। मृतक चालक के शव का शनिवार को फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजन शव को सिरसा लेकर गए। जहां गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में हरियाणा रोडवेज और पंचायत विभाग के कई कर्मचारी भी शामिल हुए।

दुर्घटनाग्रस्त डीडीपीओ की गाड़ी।

मीटिंग के लिए गए थे

बता दें कि शुक्रवार को सिरसा के डीडीपीओ बलजीत सिंह की गाड़ी भूना-फतेहाबाद रोड पर सडक़ हादसे का शिकार हो गई थी। उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई और उसके बाद खेतों में जाकर पलट गई। इस हादसे में बोलेरो चालक हरबंस की मौत हो गई थी। उस समय गाड़ी में हरबंस अकेला ही था। जानकारी के अनुसार, सिरसा के जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी बलजीत सिंह चहल शुक्रवार को चंडीगढ़ मुख्यालय में आयोजित मीटिंग में भाग लेने के लिए गए थे।

नवनियुक्त एसपी निकिता खट्टर ने संभाला पदभार, नशा और अपराध पर सख्ती की चेतावनी

नशे पर अंकुश और आमजन में सुरक्षा की भावना बढ़ाना प्राथमिकता : खट्टर

मीडिया से रूबरू होकर अपनी प्राथमिकताओं को किया साझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने शनिवार को पदभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होकर अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। उनका कहना है कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत करना, नशे पर प्रभावी अंकुश लगाना और आमजन में सुरक्षा की भावना बढ़ाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। पत्रकारों से बातचीत में एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि नशा समाज और खासकर युवाओं के भविष्य के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। इसे रोकने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा और नशा तस्करों व इस अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नशे की सप्लाई चेन को तोडऩे के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

फतेहाबाद। बैठक को संबोधित करते एसपी निकिता खट्टर। फोटो : हरिभूमि

ट्रैफिक व्यवस्था के लिए चलेंगे अभियान

उन्होंने बताया कि जिले में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष अभियान चलाए जाएंगे। यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति सचेत किया जाएगा, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। एसपी ने कहा कि महिला अपराधों को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस व्यवस्था को और अधिक संवेदनशील व प्रभावी बनाया जाएगा।

लंबित मामलों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करें

इसके बाद एसपी ने पुलिस लाइन में जिले के सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रभारियों, पुलिस चौकी प्रभारियों, विभिन्न इकाइयों के इंचार्ज तथा डीपीओ कार्यालय की सभी शाखाओं के प्रभारियों के साथ पहली बैठक की। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा और विश्वास पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में अपराध पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए तथा लंबित मामलों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए।

सिरसा : एसपी जसलीन कौर ने संभाला कार्यभार

डबवाली। पुलिस जिला डबवाली में नवनिवुक्त पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर ने कार्यभार संभाला। कार्यालय में पहुंचने पर उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कपिल अहलावत, उप पुलिस अधीक्षक डबवाली योगेश कटारिया सहित थाना प्रभारियों ने उनका स्वागत किया। जसलीन कौर 2019 बेच की आईपीएस अधिकरी हैं। इससे पहले एएसपी पलवल, डीसीपी फरीदाबाद व डीसीपी के तौर पर झज्जर में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। एसपी ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि डबवाली में संगठित अपराध को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा। अपराधियों के साथ-साथ उनके सहयोगियों और पूरे आपराधिक नेटवर्क पर कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। अपराधियों को शरण देने या सहयोग करने वालों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

डबवाली। एसपी जसलीन कौर का स्वागत करते पुलिस अधिकारी।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें** : बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें**: केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें**: यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें** : सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी)**: बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनानाः पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षाः सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार

कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम

पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

जाट कॉलेज में छात्राओं को किया जागरूक

हिसार। छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज की आंतरिक समिति के तत्वावधान में एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। समिति की संयोजक डॉ मीना कुमारी ने बताया कि व्याख्यान का उद्देश्य कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के अंतर्गत आने वाले व्यवहार एवं स्थितियों को सरल एवं स्पष्ट रूप से समझाना रहा। इस अवसर पर छाजूराम विधि महाविद्यालय से डॉ पूनम चहल ने वक्ता के तौर पर शिरकत की। उन्होंने पोश एक्ट 2013 विषय पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। डॉ. पूनम चहल ने छात्राओं एवं स्टाफ को पोश एक्ट के प्रावधानों, अधिकारों एवं शिकायत निवारण की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया।

वैदिक मंत्रों के साथ नए सत्र का शुभारंभ

उकलाना। सरस्वती हाई स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार हवन-यज्ञ के साथ बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। इस पावन अवसर पर स्कूल चेयरमैन डॉ. के. सी. शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी सावित्री शर्मा, स्कूल प्रिंसिपल पूनम धीमान, समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। हवन-यज्ञ के दौरान पूरे विद्यालय परिसर में वैदिक मंत्रों की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक एवं सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। सभी ने श्रद्धा भाव से यज्ञ में आहुति दी और विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य तथा विद्यार्थियों की सफलता के लिए प्रार्थना की।

दयानंद कॉलेज में पुस्तक का विमोचन

हिसार। दयानंद कॉलेज में शनिवार को शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में फिजिकल एजुकेशन विद पवन कुमार विश्वजीत (वॉल्यूम–1) पुस्तक का भव्य विमोचन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक का विमोचन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के द्वारा किया गया। विमोचन के अवसर पर डॉ. विक्रमजीत सिंह ने पुस्तक के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पुस्तक शारीरिक शिक्षा के विद्यार्थियों, विशेषकर बी.पी.एड, एम.पी.एड एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और मार्गदर्शक सिद्ध होगी। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक के लेखक पवन कुमार विश्वजीत ने भी अपने विचार सांझा किए।

जेजेपी किसान प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित

हिसार। जेजेपी किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बागबीर बेनीवाल ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है। घोषित कार्यकारिणी में शमशेर सिंह ढुल को वरिष्ठ उप प्रधान नियुक्त किया गया है। उप प्रधान पद पर उमेद गढ़वाल (चिड़ौद), मांगेराम (मोहब्बतपुर), रामनिवास पूनिया (खरक पूनिया) और सतपाल भाकर (मय्यड़) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रधान महासचिव के रूप में रामदिया नैन (लितानी) को नियुक्त किया गया है। महासचिव पद पर अजय बासड़ा, ताराचंद बगला, ईश्वर (संदलाना) और राजपाल सिहाग (पंघाल) को जिम्मेदारी दी गई है।

शिक्षा जीवन का सबसे अनमोल गहना, बच्चों को अवश्य करें शिक्षित : सिंगला

गिलांखेड़ा के सरकारी स्कूल ने नामांकन रैली निकाल जगाई शिक्षा की अलख

- बच्चों ने गांव की गलियों में घर-घर जाकर शिक्षा से संबंधित प्रेरक नारे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

गांव गिलांखेड़ा स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय द्वारा शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और नए शिक्षा सत्र में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नामांकन रैली निकाली गई। विद्यालय के मुख्य अध्यापक बारूराम सिंगला के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में स्कूली बच्चों और स्टाफ सदस्यों ने पूरे गांव में घूमकर ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व का संदेश दिया।

रैली के दौरान स्कूली बच्चों में भारी उत्साह और उमंग देखने को मिला। बच्चों ने गांव की गलियों में घर-घर जाकर शिक्षा से संबंधित प्रेरक नारे लगाए। 'मम्मी पापा हमें पढ़ाओ-स्कूल चलकर नाम लिखाओ, सब पढ़ेंगे-सब बढ़ेंगे, बेटा-बेटी एक समान-दोनों को मिले सच्चा ज्ञान' और 'शिक्षित नारी-घर की उजियारी' जैसे नारों से पूरा गांव गूंज उठा।

फतेहाबाद। गांव गिलांखेड़ा में नामांकन रैली निकालते विद्यार्थी व स्कूल स्टाफ सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

रैली के माध्यम से बच्चों ने ग्रामीणों को संदेश दिया कि हर बच्चे का स्कूल पहुंचना जरूरी है ताकि घर-घर में ज्ञान का दीप जल सके। ग्रामीणों ने भी घरों से बाहर निकलकर बच्चों का हौसला बढ़ाया, जिससे गांव में दाखिले को लेकर एक सकारात्मक माहौल बना। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुख्य अध्यापक बारूराम सिंगला ने कहा कि शिक्षा हमारे जीवन का सबसे अनमोल गहना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षित होकर ही बच्चे अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं और अपने परिवार, गांव व देश का नाम ऊंचा कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षा को एक ऐसा वरदान बताया जिसके जरिए किसी भी संकल्प को सिद्ध किया जा सकता है। रैली के समापन पर विद्यालय में 'प्रवेश उत्सव' मनाया गया। इस दौरान शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और आत्मविश्वास के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर एसएमसी प्रधान मंजू देवी, सुदामा शास्त्री, विभा गोदारा, मंजू देवी, विनोद कुमार, विकास भट्ट, शकुंतला देवी, रमेश कुमार, गोविंद राय, संजीव कुमार, राज नारंग और रोहतास कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने मिलकर गांव के हर बच्चे को स्कूल से जोडने का संकल्प लिया।

ये हुए सम्मानित

सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में छठी कक्षा से मनप्रीत, सौरभ और जशनजीत शामिल रहे। वहीं सातवीं कक्षा से विशाखा, शोएब, राजबाला और प्रियंका ने बाजी मारी। आठवीं कक्षा में सिमरन, नवनीत और सोनम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़ा गया आरोपी। *फोटो : हरिभूमि*

हेरोइन व चूरापोस्त सहित पांच नशा तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए सिरसा जिले क्षेत्र से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन व चूरापोस्त बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी लक्ष्मण सिंह, लखविंद्र सिंह, राजेंद्र कुमार, पंजाब निवासी मंथन सिंह व जसप्रीत सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम गांव बणी क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान गांव बणी की तरफ से बाइक सवार युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़ गया। पुलिस ने शक के आधार पर उसे दबोच लिया और उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से पांच ग्राम हेरोइन बरामद हुई। एएनसी स्टाफ डबवाली पुलिस ने गांव पन्नीवालामोरिका क्षेत्र से लखविंद्र सिंह को छह ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एएनसी स्टाफ पुलिस टीम गांव जोगेवाला से पन्नीवालामोरिका की ओर जा रही थी। गांव के बस अड्डा के निकट एक व्यक्ति बैठा था जो कि पुलिस को देखकर खिसकने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर लिया। इसके अलावा पुलिस ने गांव आसाखेड़ा क्षेत्र से राजेंद्र कुमार को साढ़े चार किलोग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है। चौटाला पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि आरोपी चूरापोस्त बेचने की फिराक में था। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे काबू कर लिया। सीआईए डबवाली पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में वांछित मुख्य तस्कर मंथन सिंह को पंजाब के मुक्तसर साहिब से गिरफ्तार किया है।

गोरखपुर की 11 बेटियों का एनएमएमएस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन, जिले में विद्यालय रहा प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

गांव गोरखपुर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे फतेहाबाद जिले में विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की 11 छात्राओं ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण कर जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस ऐतिहासिक गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिला। छात्राओं की इस सफलता का जश्न मनाने और ग्रामीणों को सरकारी स्कूलों में नामांकन के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से प्राचार्य प्रहलाद मावलिया के मार्गदर्शन में एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में विद्यालय स्टाफ के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन समिति के

फतेहाबाद। एनएमएमएस परीक्षा में अव्वल रही गोरखपुरिया की बेटियों को बधाई देते स्टाफ सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

सदस्यों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली के माध्यम से पूरे गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

रैली के दौरान गांव में जगह-जगह पर विजेता छात्राओं का भव्य स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने बालिकाओं के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें नकद पुरस्कार प्रदान किए। कई स्थानों पर महिलाओं द्वारा छात्राओं पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया, जिससे छात्राओं के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। छात्राओं की उपलब्धि को आधार बनाकर विद्यालय के शिक्षकों ने गांव-गांव जाकर नामांकन अभियान भी चलाया। इस दौरान अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विद्यालय के प्रदीप बंसल, दिनेश यादव, सत्यनारायण, पवन, सुरेश, बसंत, रमेश शास्त्री, प्रमोद, पवन शर्मा, विकास, अनिल, सुनीता, प्रविता, रीना, ममता, अनीता, प्रियंका, कुलदीप, बिजेंद्र, कृष्ण और रोहताश सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे गांव में भ्रमण कर शिक्षा की अलख जगाई।

वित्तवर्ष के शुभारंभ पर लक्कड़ मार्केट में महायज्ञ, सांसद बराला ने की सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

नव वित्तवर्ष के शुभारंभ के अवसर पर लक्कड़ मार्केट में महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद सुभाष बराला ने व्यापारियों के साथ संवाद करते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न इस आयोजन में मंत्रोच्चार एवं हवन की पवित्र आहुतियों के साथ धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि नव वित्तवर्ष नए अवसरों, नई ऊर्जा और विकास के नए आयाम स्थापित करने का समय होता है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा व्यापारी वर्ग के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य व्यापार को सरल, सुरक्षित

टोहाना। महायज्ञ में भाग लेते सांसद सुभाष बराला। *फोटो : हरिभूमि*

और अधिक सशक्त बनाना है। इन योजनाओं के माध्यम से छोटे, मध्यम और बड़े सभी व्यापारियों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिल रहे हैं। सासंद ने कहा व्यापारी वर्ग किसी भी क्षेत्र की आर्थिक संरचना का मजबूत स्तंभ होता है। उन्होंने व्यापारियों से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को सुदृढ़ करें और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस दौरान सांसद ने क्षेत्र के सम्मानित व्यापारियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अनिल मेहता, संदीप अग्रवाल, रमन मार्या, नरेंद्र गर्ग, रविन्द्र मेहता, डॉ. शिव सचदेवा, सुरेंद्र जैन, ललित मोहन, नानूराम मित्तल, वेद जांगड़ा, रमेश गोयल, मनु सिंगला, लवली मार्या, सतपाल कोचर, लक्ष्मण सरपंच तथा सुभाष गोयल आदि मौजूद रहे।

जनगणना हेल्पलाइन 1855 हुई ऑपरेशनल

16 अप्रैल से स्व-गणना पंजीकरण होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और जनभागीदारी आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हेल्पलाइन नंबर 1855 को पूरी तरह से ऑपरेशनल कर दिया गया है। अब कोई भी नागरिक इस नंबर पर कॉल करके जनगणना अथवा स्व-गणना से संबंधित अपनी सभी शंकाओं और समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। प्रशासन द्वारा 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' के संदेश के साथ लोगों को इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में पहल

सीटीएम गौरव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों के लिए 16 अप्रैल से स्व-गणना पोर्टल खोला जाएगा, जहां वे स्वयं अपना पंजीकरण कर सकेंगे। नागरिक 30 अप्रैल तक पंजीकरण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्व-गणना की प्रक्रिया नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे वे अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं और जनगणना को अधिक सटीक एवं प्रभावी बना सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्व-गणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर बहुआयामी अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत रेडियो जिंगल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वीडियो संदेश, डिजिटल पोस्टर और अन्य प्रचार माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। इन माध्यमों के जरिए लोगों को स्व-गणना और जनगणना के महत्व, प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। सीटीएम ने बताया कि स्कूलों में विद्यार्थियों को पोस्टर, गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जनगणना, घरों का सर्वे और गणना तथा स्व-गणना की जानकारी दी जाएगी। बच्चे अपने अभिभावकों तक यह संदेश पहुंचाकर इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नगर परिषद के स्वच्छता वाहनों पर विशेष जिंगल चलाकर जनगणना प्रक्रिया और स्व-गणना का संदेश हर गली और वार्ड तक पहुंचाया जाएगा।

पब्लिक चार्जिंग स्टेशन से रहें सावधान, मोबाइल डेटा चोरी होने का खतरा : एसपी निकिता खट्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने फतेहाबाद में कार्यभार संभाल लिया है। शनिवार को उन्होंने आमजन को जागरूक करते हुए पब्लिक चार्जिंग स्टेशन से जुड़े साइबर खतरे को लेकर सावधान किया। एसपी ने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, मॉल व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगे यूएसबी चार्जिंग पोर्ट का उपयोग करना जोखिम भरा हो सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी पब्लिक यूएसबी पोर्ट्स के माध्यम से मोबाइल फोन में मैलवेयर इंस्टॉल कर सकते हैं या यूजर का पर्सनल डेटा जैसे फोटो, कॉन्टैक्ट, पासवर्ड व बैंकिंग जानकारी चोरी कर सकते हैं। कई बार यूजर को इसका पता भी नहीं चलता और

एसपी निकिता खट्टर।

- कहा : साइबर अपराधी चार्जिंग पोर्ट के जरिए फोन में मैलवेयर डालकर कर सकते हैं डेटा एक्सेस

उसका डेटा गलत हाथों में चला जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनजान चार्जिंग पोर्ट या केबल का उपयोग करना आपकी निजी जानकारी के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए केवल सुरक्षित और विश्वसनीय माध्यमों से ही मोबाइल चार्ज करना चाहिए।

एसपी ने कहा कि हमेशा अपना व्यक्तिगत चार्जर व एडॉप्टर इस्तेमाल करें। पब्लिक यूएसबी पोर्ट में सीधे फोन लगाने से बचें। बहुत आवश्यक होने पर पावर बैंक का उपयोग करें। अनजान यूएसबी केबल या डिवाइस का इस्तेमाल न करें। मोबाइल में सिक्योरिटी अपडेट व एंटीवायरस नियमित रूप से अपडेट रखें। उन्होंने बताया कि चार्जिंग के दौरान फोन में अचानक पॉप-अप या अनजान ऐप इंस्टॉल होना, फोन का असामान्य तरीके से धीमा होना या डेटा का स्वतः उपयोग होना, बिना अनुमति के फाइल ट्रांसफर या एक्सेस का प्रयास होना, अनजान नोटिफिकेशन या सिक्योरिटी अलर्ट दिखाई देना ऐसी ठगी के संकेत है। एसपी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की साइबर गतिविधि का संदेह हो या वह इसका शिकार हो जाए, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करवाएं।

फतेहाबाद। शिविर में स्वास्थ्य जांच करवाते पुलिस कर्मचारी।

पुलिस लाइन में स्वास्थ्य जांच शिविर

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के दिशा-निर्देशन में पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पुलिस लाइन फतेहाबाद के प्रशासनिक भवन में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में सर्वेश अस्पताल, हिसार के अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर में हड्डी रोग विभाग से डॉ. प्रफुल कामरा एवं उनकी टीम, हृदय रोग विभाग से डॉ. रिंगधा एवं उनकी टीम तथा कैंसर रोग विभाग से डॉ. विकास एवं उनकी टीम ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी दिन-रात आमजन की सेवा में तत्पर रहते हैं, ऐसे में उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है।

- सर्वेश अस्पताल, हिसार के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण
- 50 से अधिक पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

एसबीडीएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 'नवागंतुक छात्र स्वागत समारोह' का आयोजन

नर्सिंग केवल डिग्री नहीं, सेवा का दिव्य माध्यम : सिवाच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

एसबीडीएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बीएससी. नर्सिंग, जीएनएम और एएनएम प्रथम वर्ष के नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर डे समारोह का आयोजन किया गया। मानवता की सेवा का संकल्प लेकर चिकित्सा जगत में कदम रखने वाले नए छात्रों का वरिष्ठ विद्यार्थियों और संस्थान प्रबंधन द्वारा स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। संस्थान के पैट्रन डॉ. वीरेंद्र सिंह सिवाच ने नवागंतुक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग का पेशा केवल एक आजीविका नहीं, बल्कि ईश्वर द्वारा चुना गया मानवता की सेवा का एक दिव्य माध्यम है। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर मरीज का इलाज करता है, लेकिन एक नर्स अपनी ममता, करुणा और सेवा से उस मरीज को नया जीवन प्रदान करती है।

डॉ. सिवाच ने विद्यार्थियों को अनुशासन और संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाते हुए आह्वान किया कि उनकी डिग्री उन लाखों लोगों की उम्मीदों का भार है, जो अपने सबसे कमजोर क्षणों में उनका हाथ थामेंगे। संस्थान की चेयरपर्सन शरणजीत कौर ने कहा कि नर्सिंग का मार्ग कठिन है और इसमें व्यक्तिगत सुखों का त्याग करना पड़ता है, लेकिन

फतेहाबाद। कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. विरेन्द्र सिवाच व उपस्थित विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

एक स्वस्थ मरीज की मुस्कान दुनिया की हर दौलत से बड़ी है। उन्होंने छात्राओं को निडर और सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान जूनियर और सीनियर छात्रों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों ने भंगड़ा, गिद्धा और देशभक्ति गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मिस्टर और मिस फ्रेशर प्रतियोगिता रही। इस अवसर पर शहीद बाबा दीप सिंह संस्था के सचिव हरमीत सिंह, सह सचिव डॉ. अनुराधा, नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल अनूप सिंह संधू, वेटरनरी साइंसेज के प्रिंसिपल डॉ. सुधीर खन्ना और कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रिंसिपल डॉ. ममता चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिता के परिणामों में जीएनएम वर्ग से नवलीन को मिस फ्रेशर, स्नेहा को फस्ट रनर अप, नूर को मिस चार्मिंग और अंकुश को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। बीएससी. प्रथम सेमेस्टर में तमन्ना मिस फ्रेशर, कंचन फस्ट रनर अप और मरियम मिस चार्मिंग रहीं। वहीं एएनएम वर्ग में एकता ने मिस फ्रेशर, गुरप्रीत ने फस्ट रनर अप और मीना ने मिस चार्मिंग का खिताब अपने नाम किया।

खबर संक्षेप

अव्वल विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सिरसा। राजकीय प्राथमिक पाठशाला ढाणी दर्शन सिंह में परीक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मनित किया गया। कार्यक्रम में बीईओ रमेश कुमार मुख्यातिथि शामिल हुए। बीईओ रमेश कुमार व डॉ. गुरचरण सिंह ने वार्षिक परीक्षाओं में अव्वल रहे बच्चों को स्मृति चिह्न व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बीईओ रमेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रोत्साहन व प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में सरकार द्वारा बेहतरीन सुविधाएं दी जा रही है। उन्होंने डॉ. गुरचरण सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जहां रिटायरमेंट के बाद कर्मचारी सोचते हैं कि अब क्या करेंगे, लेकिन उन्होंने समाजसेवा का जो बीड़ा उठाया है, वो सराहनीय है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों से भी आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का सरकारी स्कूल में अधिक से अधिक दाखिला करवाएं।

गुरदेव इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन ट्रायल आज

सिरसा। रानियां कस्बे के गांव संतनगर स्थित गुरदेव इंडोर स्टेडियम में 5 अप्रैल को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बैडमिंटन खेल नर्सरी संत नगर में एडमिशन लेने के लिए ट्रायल किया जाएगा। श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, संतनगर के प्रधान हरपिंद्र सिंह कूका ने बताया कि जो भी इच्छुक खिलाड़ी खेल नर्सरी में एडमिशन लेना चाहता है वह आगामी 5 अप्रेल को सुबह 10.00 बजे अपने सारे दस्तावेज लेकर गुरुदेव इंडोर स्टेडियम में पहुंच जाए। उन्होंने बताया कि आवश्यक दस्तावेजों में फैमिली आईडी, आधार कार्ड, बैंक कॉपी, जन्म प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो शामिल है। उन्होंने बताया कि 8 साल से लेकर 19 साल तक के खिलाड़ी ट्रायल दे सकते हैं। सभी खिलाड़ी ट्रायल देने के लिए अपनी स्पोर्ट्स किट में आएं। चयनित खिलाडिय़ों को प्रतिमाह 1500 से 2000 तक की धनराशि हरियाणा सरकार द्वारा प्राप्त करवाई जाएगी।

एकांश ढुल का सम्मान समारोह आज

सिरसा। सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया स्तर पर 3 रैंक प्राप्त करने पर एकांश ढुल पुत्र कृष्ण ढुल के सम्मान में ग्राम पंचायत पंजुआना की ओर से 5 अप्रैल को सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। गुरदीप सैनी व संदीप श्योराण ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्कूल कैडर लैक्चरर एसोसिएशन हरियाणा सलाह, बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट सिरसा व हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज सिरसा द्वारा संयुक्त रूप से एकांश ढुल को सम्मानित किया जाएगा। इस संबंधी तीनों संस्थाओं के पदाधिकारियों की एक मीटिंग हुई, जिसमें सलाह के राज्य चेयरमैन गुरदीप सिंह सैनी महेश चौधरी राज्य सचिव, विनोद कुमार सैनी जिला अध्यक्ष, नवीन सिंगला जिला महासचिव, बाबा सरसाई नाथ बुक बैंक प्रेम कंदोई महासचिव, अनिल सैनी, पेंशनर्स समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मोहन गुप्ता, महासचिव अजीत सिंह रंगा उपस्थित रहे।

जनहित ट्रस्ट ने भेंट की सिलाई मशीन

फतेहाबाद। सामाजिक संस्था जनहित ट्रस्ट ने महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय कदम उठाया है। ट्रस्ट के सचिव साधु बरोका और ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार के नेतृत्व में आज एक जरूरतमंद महिला रानी को सिलाई मशीन सहयोगस्वरूप भेंट की गई। विकास सुथार ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं और लड़कियों को सिलाई मशीन देकर उन्हें रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाएं सिलाई का कार्य करके अपना स्वयं का रोजगार चला सकती हैं और अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर सकती हैं। ट्रस्ट के सचिव साधु बरोका ने इस पुनीत कार्य पर प्रकाश डालते हुए आश्वस्त किया कि संस्था का यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जनहित ट्रस्ट आगे भी जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें सिलाई मशीनें व अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करती रहेगी।

नहीं हो रही थी बारिश के पानी की निकासी, ग्रामीणों में रोष

15 दिन पहले बनी इंटरलॉक गली की उखाड़ी इंटें, लगाया अनियमितताओं का आरोप

- इस अनियमितता को लेकर सरपंच को भी अवगत करवाया था लेकिन किसी ने नहीं सुनी
- लोगों ने कहा कि गली निर्माण में उच्च दर्जे का भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी जांच की जानी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चोपटा

सिरसा। ग्रामीणों द्वारा उखाड़ी गई ईंटें। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव जोड़कियां में इंटरलोक गली निर्माण को लेकर भारी अनियमितताएं सामने आई है। बताया जा रहा है कि गांव में इस गली को 15 दिन पहले बनाया गया था, जिसके लेवल को लेकर पहले भी कई बार विरोध किया गया था। आरोप है कि अनियमितताओं के चलते अब हुई बारिश से गली से पानी निकलने की बजाय लोगों के घरों में घुसने लगा जिसके कारण वार्डवासियों ने इंटरलोक को उखाड़ कर फेंक दिया। वार्डवासियों का आरोप है कि गली निर्माण में ठेकेदार ने सही लेवलिंग नहीं की और विरोध जताने के बाद भी आनन-फानन में निर्माण कर दिया। लोगों का कहना है कि उन्होंने इस अनियमितता को लेकर सरपंच को भी अवगत करवाया था लेकिन किसी ने नहीं सुनी और गली में बिना लेवल निकाले ही इंटरलोक लगवा दी, जिससे लोगों के घरों का पानी निकलने की बजाय घरों में ही वापिस जाने लगा। आरोप है कि इस निर्माण कार्य में अनियमितताओं के साथ भ्रष्टाचार के भी आरोप लगया जा रहा है। इन दिनों हुई हल्की बारिश के कारण गली से पानी की निकासी नहीं हुई और लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया तो गुस्साए ग्रामीणों ने इंटरलोक उखाडक़र फेंक दी और सरपंच के खिलाफ नारे बाजी की। ग्रामीण विकास, सुनी, बालेश, नरसी, बुधराम, मांगेराम व महादेव ने बताया कि जब गली का निर्माण हो रहा था तभी ठेकेदार व सरपंच को इससे अवगत कराया था और सही निर्माण न होने के कारण विरोध प्रदर्शन भी किया था लेकिन दोनों की मिलीभगती के कारण इसका कोई ठोस निस्तारण किये बिना ही गली का निर्माण करवा दिया। अब जैसे ही बारिश हुई तो इस अनियमितता की पोल खुली और लोगों के घरों में नाली का गंदा व बदबूदार पानी घुस गया जिससे उनके मकानों की नींव में पानी घुसने से मकानों में दरार आ गई। वार्डवासियों ने इसको लेकर सरपंच से शिकायत की और पानी निकालने के लिए गली में लगी इंटरलोक को उखाड़ फैंका और नारेबाजी की। इस दौरान लोगों ने कहा कि गली निर्माण में उच्चे दर्जे का भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी जांच की जानी चाहिए।

आपसी रंजिश के कारण उखाड़ी इंटरलॉक: सरपंच

सरपंच राकेश ने बताया कि गली निर्माण को वार्डवासियों की सहमति से ही निर्धारित सीमा से उंचा उठाया गया था। वहीं वार्ड में कुछ लोगों की आपसी रंजिश चल रही है जिस कारण गली निर्माण में कई बार बाधा उत्पन्न की थी और बार-बार उखाड़ दिया था। इस समय भी गली में पानी निकासी सही हो रही थी लेकिन कुछ लोगों ने आपसी रंजिश की वजह से आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। किसी को कानून व्यवस्था बिगाडने नहीं जाएगी।

फतेहाबाद। पन्चनद शोध संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथिगण।

'पश्चिम एशिया के युद्ध में भारत की भूमिका'

पन्चनद शोध संस्थान ने की सार्थक चर्चा

- विशेषज्ञों ने सराही भारत की संतुलित विदेश नीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पन्चनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र फतेहाबाद द्वारा 'पश्चिमी एशिया के युद्ध में भारत की भूमिका' विषय पर मॉडल टाऊन स्थित सीनियर मॉडल स्कूल में मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत 'वन्देमातरम' के सामूहिक गान के साथ किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम में जिला शोध अध्यक्ष डॉ. बलविंद्र खुराना ने अतिथियों का विधिवत अभिनंदन किया और शोध संस्थान की विभिन्न गतिविधियों व समाज में शोध की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राध्यापक विकास कुमार ने संस्थान का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। इस विचार गोष्ठी के मुख्य प्रस्तोता पूर्व प्राध्यापक, रक्षा अध्ययन डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा रहे, जबकि अध्यक्षता संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. बीके कुठियाला ने की। डॉ. मिश्रा ने पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट पर गहरा विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस युद्ध में भारत की भूमिका मुख्य रूप से तटस्थ, संतुलित एवं कूटनीतिक रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत एक ऐसी स्थिति में है जहां वह अमेरिका, इजरायल और ईरान जैसे सभी पक्षों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हुए है। डॉ. मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि 'टीम इंडिया' के रूप में काम करते हुए भारत इस उभरती वैश्विक चुनौती से सफलतापूर्वक निपट लेगा और शांतिपूर्ण समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत नांदेड़ के लिए निःशुल्क यात्रा, 15 तक करें पंजीकरण

- पांच मई को कुरुक्षेत्र से रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ की निःशुल्क यात्रा का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है।

इस योजना के तहत जिला के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है तथा पारिवारिक आय 1 लाख 80 हजार से कम है, वे 15 अप्रैल तक पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि इस पवित्र यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को विशेष रेलगाड़ी के माध्यम से भेजा जाएगा।

नायब सिंह सैनी 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को नांदेड़ के लिए रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाना तथा उन्हें आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है। इच्छुक पात्र व्यक्ति समय रहते सरल हरियाणा पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करें, ताकि वे इस पावन यात्रा का लाभ उठा सकें। डीआईपीआरओ ने आमजन से अपील की है कि वे अपने आसपास के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को भी इस योजना की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

शैक्षणिक भ्रमण कर वापस लौटा विद्यार्थियों का दल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के दौरान।

श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय का एक शैक्षणिक दल श्री अमृतसर साहिब भ्रमण करके वापिस लौटा। इस दल का नेतृत्व श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय के अध्यक्ष सुरेंद्र बंसल, एडवोकेट सनातन धर्म सभा के प्रबंधक बजरंग पारिक व प्राचार्य गणेश शंकर ने किया। इस दल ने 2 अप्रेल की सुबह हनुमान जयंती के अवसर पर पंजाब के प्रसिद्ध दुर्गीयाना मंदिर में माथा टेका। इसके उपरांत स्वर्ण मंदिर में पहुंचने के बाद प्रबंधक कमेटी ने सभी का अभिनंदन किया तथा सभी ने स्वर्ण मंदिर के दरबार में तथा बाबा दीपसिंह के दरबार में माथा टेका। इसके बाद विद्यार्थियों, अध्यापकों व प्रबंधक समिति ने लंगर ग्रहण किया। उसके बाद सभी जलियांवाला बाग पहुंचे। वहां पर जलियांवाला में एतिहासिक स्थलों के दर्शन किये व 13 अप्रेल 1919 की निहत्थे देशभक्तों पर हुए बर्बर अत्याचार को देखकर सभी विद्यार्थियों के रोंगटे खड़े हो गए। शाम के समय यह दल गोबिंदगढ़ किले में पहुंचा। वहां पर 7डी फिल्म, लेजर फिल्म, घोड़े की सवारी, पंजाबी नृत्य व विभिन्न प्रकार के खेलों का भी आनंद लिया।

साडा पिंड में ग्रामीण संस्कृति का अनुभव

अगले दिन अमृतसर में स्थित साडा पिंड नामक मनोरंजन स्थल पर पहुंचे। वहां पर भी साडा पिंड की प्रबंधक समिति के द्वारा सभी का स्वागत किया गया व ग्रामीण अंचल से सजे इस स्थान का बारीकि से अध्ययन किया। यहां पर सरसों का साग, मक्की की रोटी, बाजरे की खिचड़ी के अलावा दोपहर को भोजन का भी आनंद लिया। इसके अलावा ऊंट की सवारी, जादू, कठपुतली नृत्य, मौत का कुआं व विभिन्न प्रकार के खेलों का आनंद लिया।

नशा मुक्ति के तहत चलाया जागरूकता अभियान

सिरसा। नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के अंतर्गत नशे के खिलाफ जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने रैली का उद्देश्य समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना बताया।

रैली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, हम सबका एक ही नारा, नशा मुक्त हो देश हमारा जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर आमजन को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। इसके माध्यम से उन्होंने लोगों को नशा छोडऩे और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया। इंचार्ज डॉ. वंदना रानी ने कहा कि नशा समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है, इसलिए इससे दूर रहना अत्यंत आवश्यक है।

परोपकार दिवस के रूप में मनाया स्व. होशियारी लाल शर्मा का जन्मदिवस

सिरसा। स्व. होशियारी लाल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

स्व. पंडित होशियारी लाल शर्मा का जन्मदिवस परोपकार दिवस के रूप में बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मोहल्ला जंडवाला स्थित उनके कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाभर से बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय शर्मा के जीवन, उनके व्यक्तित्व और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि वे न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि एक सच्चे जनसेवक भी थे, जिन्होंने हमेशा आम जनता के हितों को सर्वोपरि रखा। इस अवसर पर स्व. होशियारी लाल शर्मा के पुत्र राजकुमार शर्मा, राजेश शर्मा एवं पोत्र मोहित शर्मा और देवांश शर्मा ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक शीशपाल केहरवाला, पूर्व सांसद सुशील इंदौरा, राधेश्याम शर्मा, चरणजीत सिंह रोड़ी पूर्व सांसद, संदीप नेहरा, सुभाष जोधपुरिया, गजानंद सोनी, कृष्णा फौगाट, अमीर चावला, वीरभान मेहता,प्रोमिला शर्मा, चंद्र झूथरा, राखी मौर्य पार्षद, मनमोहन मिड्ढा पार्षद, प्रदीप सैनी, आरसी लिम्बा, प्रेम शर्मा, गोपीराम सैनी पार्षद, अंजनी कनोडिया, व्यापारी मंडल जिलाध्यक्ष हीरालाल शर्मा, सीताराम शर्मा, कौशल्या वर्मा पूर्व पार्षद, वेद शर्मा सरपंच, उर्मिल भारद्वाज, सुशील शर्मा, योगेश मिड्ढा, चंदन गाबा, मंदर, लोकेश गुर्जर, सुनील मौर्य एडवोकेट, लवप्रीत सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

बीटेक कार्यक्रमों के लिए मिली अनुमति

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने बीटेक कार्यक्रमों के लिए ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन की स्वीकृति प्राप्त कर ली है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। विभाग में बीटेक सीएसई कार्यक्रम सत्र 2022-23 से सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। अब विभाग आगामी शैक्षणिक सत्र से बीटेक कंप्यूटर साइंस भी प्रारंभ करने जा रहा है। इन दोनों कार्यक्रमों को एआईसीटीई की विधिवत स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, विभाग में पूर्व से संचालित एमसीए एवं एमटेक कार्यक्रमों को भी एआईसीटीई द्वारा एक्सटेंशन ऑफ अप्रूवल प्रदान किया गया है। एआईसीटीई की स्वीकृति मिलने से विद्यार्थियों को अनेक लाभ प्राप्त होंगे। अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री मिलेगी, जिससे सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

खराब फसलों का तुरंत दिया जाए मुआवजा: लखविंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

भारतीय किसान एकता के प्रधान लखविंद्र सिंह ने कहा कि जिले में हाल ही में हुई ओलावृष्टि और बरसात से रबी की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्व विभाग द्वारा तुरंत गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए। जिन किसानों ने फसल बीमा करवाया हुआ है, उनके खेतों का कृषि विभाग व बीमा कंपनी द्वारा क्रॉप सर्वे करवाकर नुकसान की भरपाई सुनिश्चित की जाए। 31 मार्च को हुई ओलावृष्टि, बरसात और तेज तूफान से गेहूं, जौ, सरसों, हरा चारा, सब्जियां व बागवानी सहित रबी की फसलें जमीन पर गिर गई थी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर जोगिंद्र बिश्नोई, राम सिंह सरां, आत्मा सिंह, गुरदीप सिंह, सोनी सरां, जगजीत सिंह, इकबाल सिंह, पूर्व सरपंच गुरसेवक सिंह, जगसीर सिंह, सुखपाल सिंह, बलकरण सिंह, लखबीर सिंह, मंदर सिंह, जसवंत सिंह, हरमंदिर सिंह कुलार गांव पाना से सुरेंद्र सिंह, हरमीत सिंह, बलदेव सिंह, कलवंत सिंह, भोला सिंह सहित अन्य किसान मौजूद थे।

मंडियों को 24 घंटे खोलने का निर्णय ऐतिहासिक: यतींद्र सिंह

- नई व्यवस्था के तहत किसान दिन या रात, किसी भी समय अपनी फसल मंडियों में ला सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह ने सरकार द्वारा मंडियों को 24 घंटे खोलने के निर्णय का जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का यह फैसला किसानों के हित में एक क्रांतिकारी कदम है, जो लंबे समय से किसानों द्वारा झेली जा रही समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यह निर्णय न केवल किसानों को सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि कृषि व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने में भी मदद करेगा। एडवोकेट यतींद्र सिंह ने विस्तार से बताया कि पहले मंडियों में फसल लाने का समय सुबह 6 बजे से लेकर रात 8 बजे तक ही सीमित था। इस सीमित समय के कारण किसानों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। कई बार दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले किसानों को मंडी बंद होने के कारण अपनी फसल वापस ले जानी पड़ती थी, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानी झेलनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि अब इस नई व्यवस्था के तहत किसान दिन या रात, किसी भी समय अपनी फसल मंडियों में ला सकेंगे और उन्हें उसी समय गेट पास भी जारी कर दिया जाएगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि किसानों को अनावश्यक भागदौड़ और तनाव से भी राहत मिलेगी।

वैज्ञानिक तकनीक, रोजगार अवसर और सरकारी सब्सिडी पर विशेषज्ञ ने दी विस्तृत जानकारी

सीडीएलयू में झींगा पालन विषय पर सेमिनार संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। झींगा पालन विषय पर विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा टैगोर एक्सटेंशन लेक्चर थिएटर में झींगा पालन विषय पर सेमिनार हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को झींगा पालन की वैज्ञानिक पद्धतियों, रोजगार संभावनाओं तथा इसके आर्थिक महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र थे। उन्होंने अपने व्याख्यान में झींगा पालन की संपूर्ण प्रक्रिया-बीज चयन, तालाब प्रबंधन, पोषण, रोग नियंत्रण से लेकर विपणन तक को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि सिरसा एवं आसपास के क्षेत्रों का खारा भूजल झींगा पालन के लिए अत्यंत उपयुक्त है। साथ ही यहां की जलवायु परिस्थितियां जैसे तापमान, वर्षा एवं नमी भी इस व्यवसाय के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने जानकारी दी कि किसान मात्र 2.5 एकड़ भूमि से झींगा पालन प्रारंभ कर सकते हैं और सरकार द्वारा प्रारंभिक लागत पर 60 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जाती है। लगभग 120 दिनों की इस खेती से किसान एक वर्ष में 20 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर सकते हैं, जो इसे एक अत्यंत लाभकारी व्यवसाय बनाता है। जगदीश चंद्र ने बताया कि झींगा पोषण की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध होता है, जिसमें 30-35 प्रतिशत प्रोटीन के साथ-साथ सूक्ष्म खनिज एवं स्वास्थ्यवर्धक वसा प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि सरकार परिवहन, प्रसंस्करण इकाइयों एवं अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं के लिए भी अनुदान उपलब्ध कराती है।

विद्यार्थियों को किया जागरूक

उन्होंने विद्यार्थियों को पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ ऐसे नवाचारपूर्ण कृषि-आधारित व्यवसायों को अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि झींगा पालन न केवल आय का सशक्त माध्यम है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. हरकृष्ण ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. सुखमीत, डॉ. आलोक सहित अन्य शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी एवं विभिन्न विभागों के 60 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. हरकृष्ण ने मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।